Date: / /

पाठ-5 साँवले सपनों की याद

जाबिर हुसैन जीवन परिचय :

जाबिर हुसैन का जन्म सन 1945 मे गाँव नौनही राजगीर, जिला नालंदा, बिहार मे हुआ। वे अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य के प्राध्यापक रहे। सक्रिय राजनीति मे भाग लेते हुए 1977 मे मुंगेर से बिहार विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और मंत्री बने सन 1995 से बिहार विधान परिषद के सभापति है।

जाबिर हुसैन हिंदी, उर्दू तथा अंग्रेजी - तीनो भाषाओं मे समान अधिकार साथ लेखन करते रहे है। उनकी हिंदी रचनाओ मे जो आम है, डोला बीबी का मजार, अतीत का चेहरा, लोगों, एक नदी रेत भरी प्रमुख है।

अपने लंबे राजनैतिक - सामाजिक जीवन के अनुभवों मे उपस्थित आम आदमी और संघर्षों को उन्होने अपने साहित्य मे प्रकट किया है। संघर्षरत आम आदमी और विशिष्ट उपेक्षित लोगों पर लिखी गई उनकी डायरियाँ चर्चित - प्रशंसित हुई है। जाबिर हुसैन ने डायरी विधा मे एक अभिनव प्रयोग किया है जो अपनी प्रस्तुति, शैली और शिल्प मे नवीन है।

Date / /

प्रश्न = उत्तर

प्र०-1 किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हे पक्षी प्रेमी बना दिया ?

उ०-1 बचपन के दिनो मे सालिम अली की एयरगन से घायल होकर गिरने वाली नीले कंठ की गौरैया पक्षी की घटना ने उनके जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हे पक्षी प्रेमी बना दिया।

प्र०-2 सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थी?

उ०-2 सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सामने पर्यावरण से संबंधित खतरों के विषय मे बताया होगा कि रेगिस्तानी हवा के झोंके केरल की साईलेंट वैली के परिवेश को बदल देंगे यदि ऐसा हुआ तो वहाँ रहने वाले असंख्य पक्षियों के जीवन को खतरा उत्पन्न हो जाएगा। अतः उसके बचाव के उचित प्रबंध किए जाए। सालिम अली के प्रकृति और पक्षी - प्रेम को देखकर ही प्रधानमंत्री की आँखें नम हो गई होगी।

प्र० = 3 लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि " मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है ?

उ० = 3 डी. एच लॉरेंस की मौत के बाद लोगों ने उनकी पत्नी से अनुरोध किया कि वे अपने पति के विषय में कुछ लिखें। तो उन्होंने कहा कि मेरे लिए लॉरेंस के विषय में कुछ भी लिखना असंभव लगता है। उनका पूरा जीवन एक खुली किताब के समान था। वे एक-सच्चे-दिल और स्नेही व्यक्ति थे। उनके जीवन से सम्बन्धित कोई भी बात छुपी हुई नहीं है। उन्हें ऐसा लगता है कि छत पर बैठी गौरैया भी उन दोनों के विषय में उनसे अधिक जानती होगी।

प्र० = 4 आशय स्पष्ट कीजिए :-

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे ?

उ० (क) प्रस्तुत पंक्ति में सलीम अली के प्रकृति-प्रेम के विषय में बताया गया है, जिस प्रकार अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार डी. एच, लॉरेंस का प्रकृति से गहरा लगाव था और उनका मानना था कि हमें प्रकृति की ओर लौटना चाहिए ठीक उसी प्रकार स. सलीम अली भी प्रकृति से गहरा लगाव रखते हैं, उन्होंने प्रकृति संबंधी अनेक नए रास्तों को

रवाजा। यही कारण है कि वे लॉरेंस की तरह स्वाभाविक जीवन का प्रतिरूप बन गए थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वृद्ध पक्षी अपने सपनो के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा?

उ० (ख) प्रस्तुत पंक्ति का अभिप्राय है कि जिस तरह कोई वन - पक्षी अपना अंतिम गीत गाकर मर जाता है और प्रकृति में विलीन हो जाता है उसे शरीर की गर्मी और हृदय की धड़कन देकर भी जीवित नही किया जा सकता है उसी तरह सालिम अली भी अपने जीवन के लंबे सफर के बाद अपने सभी सपनो को छोड़कर इस संसार से विदा हो गए। उन्हें किसी भी तरह से दुबारा जीवित करना असम्भव है।

प्र०/5 इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएं बताइए।

उ०=5 साँवले सपनों की याद पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताए इस प्रकार है।

-> उन्होंने हिंदी के साथ-साथ उर्दू के शब्दों का अत्यधिक किया है।

-> वर्ड वाचर, साइलेंट वैली जैसे अंग्रेजी शब्दो का प्रसंगानुसार प्रयोग किया है

भाषा वेगवती नदी की तरह बहती हुई प्रतीत होती है।

भावाभिव्यक्ति की शैली दिल को छूती है।